



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2017

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा
English	51	English
स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें		
पुस्तिका का सरल क्रमांक	2329914	
पृष्ठों में	परीक्षार्थी का रोल नम्बर	
	2 7 2 1 3 4 1 4 9	

नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग - परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

ग़ायर सेकण्डरी लर्निंग परीक्षा केन्द्र क्रमांक-212027

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Sandeep	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Lalita Dhule 9540466	B.S. UPADHYAY 9540466

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	क (अंकों में)
1		✓
2		✓
3		✓
4		✓
5		✓
6		✓
7		✓
8		✓
9		✓
10		✓
11		✓
12		✓
13		✓
14		✓
15		✓
16		✓
17		✓
18		✓
19		✓
20		✓
21		✓
22		✓
23		✓
24		✓
25		✓
26		✓
27		✓
28		✓
कुल प्राप्तोंक शब्दों में		कुल प्राप्तोंक अंकों में

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे
परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

22
32
58

2

र पृष्ठ

+

पृष्ठ 2 के अंक

=

कुल अंक



म क्र.

0-1

(i)

1578 ई.

(ii)

निबंध

(iii)

फणीश्वरनाथ रेणु

(iv)

152

(v)

गुलाब राय

0-2

(i)

बादल

(ii)

धर्मनिष्ठा

(iii)

1915

(iv)

वर्षा

(v)

कमल

3

$$\boxed{\text{योग पूर्व पृष्ठ}} + \boxed{\text{40 के अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



प्रश्न क्र.

प्र०-3

(i) सत्य ✓

(ii) असत्य ✓

(iii) सत्य ✓

(iv) असत्य ✓

B

S

E

प्र०-4

(i) तीन बच्चे

सुभद्राकुमारी चौहान

(ii) यशोधरा की त्यथा

मैथिलीशरण गुप्त

(iii) पुस्तक

निबंध

(iv) रदिमन विलास

रहीम

(v) शौर्य गाथा

भूषण

5

$$\square + \square = \square$$

पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 5 के अंक = कुल अंक



प्रश्न क्र.

राज-कार्य संभालने के लिए योग्य व्यक्ति चाहिए।
इसलिए राजा का चुनाव आवश्यक था।

उत्तर - 8

अथवा

निबंध शब्द निः + बंध से बना है जिसका अर्थ अच्छी तरह से बंधी हुई परिमार्जित प्रौढ़ रचना से है। अंग्रेजी में निबंध को 'Essay' कहते हैं जिसका अर्थ प्रयत्न करना है। यह मूलतः फ्रांसीसी शब्द 'एसाई' से लिया है जिसका अर्थ प्रयत्न, प्रयोग करना है। निबंध यदि गद्य कवियों या लेखकों की रचना है तो निबंध भी गद्य की रचना है।

उत्तर - 9

अथवा

बाबू गुलाब राय - निबंध उस गद्य रचना को कहते हैं जिसमें एक सीमित आकार के भीतर किसी विषय का एक वर्णन या प्रतिपादन एक निजी स्वच्छंदता, आवश्यक संगीत आदिमें होता है।

5

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पृष्ठ

पृष्ठ के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 10

पर्यायवाची

कमल - सरोज, जलज, पंकज, पंकज

गंगा - भागीरथी, मंदाकिनी

प्रश्न - 11

समास - विग्रह

(i) कमल नयन - कमल के समान नयन

- कर्मधारय

- कर्मधारय कर्मधारय समास

(ii) नवरत्न - नौ रत्नों का समाहार

- द्विगु समास

प्रश्न - 12

वाक्य - शुद्ध

(i) आप सादर आमंत्रित हैं।

7

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 12

शुद्ध वाक्य

- (i) आप सादर आमंत्रित हैं।
- (ii) शीला के सिर में दर्द है।

प्रश्न - 13

"विश्व एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है।"

आज ज्ञान का युग है। यह ज्ञान सभी के लिए जरूरी है। सभी किसी न किसी ज्ञान को ग्रहण कर रहे हैं। बौद्धिक समाज की प्रक्रिया निरंतर चल रही है। यदि भारत को प्रतिस्पर्धी बौद्धिक समाज में परिवर्तित करना है तो धर्मों के संतों, दार्शनिकों, गणितज्ञों, वैज्ञानिकों, कवियों की जरूरत है। इन सभी की मदद से हम एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहे हैं। इसी प्रकार विश्व एक बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है।

8



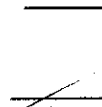
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 8 के अंक

=



अंत अंक



प्रश्न - 14

तकनीकी शब्द

- (i) हाइड्रोजन
- (ii) नाइट्रोजन
- (iii) रासायन
- (iv) तत्व

प्रश्न - 15

(i) छात्र - विद्यार्थी
वाक्य - मेरी कक्षा में बीस छात्र हैं।

क्षेत्र - क्षत्रिय
वाक्य - देश की रक्षा करना क्षत्रिय धर्म है।

(ii) वसन - कपड़ा (वस्त्र)
वाक्य - कृष्णजी पीले वसन पहने हुए हैं।

व्यसन - बुरी आदत
वाक्य - मदिरापान एक प्रकार का व्यसन है।

9

$$\square + \square = \square$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर - 16

रहीम ने धन को महत्व इसलिए दिया है क्योंकि धन में मित्र बनाने की शक्ति होती है। जिस व्यक्ति के पास धन नहीं होता उसका कोई मित्र नहीं बनता है। धन आ जाने से कई लोग मित्र बन जाते हैं। लेकिन वह सभी मित्रता की कसौटी पर खरे उतरे यह जरूरी नहीं।

अर्थात् हम यह कह सकते हैं कि धन में मित्र बनाने की अपार शक्ति है।

उत्तर - 17

कवि ने हिमालय से हमारे कई सम्बन्ध बताए हैं -

① जिस प्रकार हिमालय पर प्रातःकाल तथा सायंकाल का दृश्य समान होता है उसी प्रकार हम लोग भी सुख-दुख को समान भाव से ग्रहण करते हैं।

② हिमालय पर्वत की तरह हम भी अटल, अडिग, निश्चल और अविनाशी हैं।

③ जिस प्रकार हिमालय पर्वत अमर है उसी प्रकार हर भारतीय भी अमर है।

10

$$\boxed{18} + \boxed{10} = \boxed{28}$$

18 10 का अंक 28 का अंक



उत्तर - 18 .

माँ हमें ऐसी शिक्षा देती हैं जो हमें अपने कर्तव्य की याद दिलाता है। माँ हमें लोरी गाकर सुलाती हैं तो हमें उठानी भी हैं। वह भैरवी राग गाकर हमें उठानी हैं। हमें अपने कर्तव्य की याद दिलाती हैं। माँ पालन-पोषण करने वाली ममता हैं। तो वह संघर्ष का मार्ग दिखाने वाली शक्ति हैं। माँ हमें ऐसी शिक्षा देती हैं जो हमारे जीवन में काम आए। वह हमें संघर्ष करने की शिक्षा देती हैं।

उत्तर - 19 .

"सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।" यह कथन हमें बताता है कि हमें अपने बल का सदुपयोग करना चाहिए। अपने बल का उपयोग अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए। हमारे बल के उपयोग की प्रेरणा प्रेम से आनी चाहिए। तभी हमें सफलता प्राप्त होगी। जीवन के हर लक्ष्य में हमें प्राप्त होगा। बल के सदुपयोग से हमें जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाएगी। अर्थात् हम कह सकते हैं कि सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है।

11

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 11

कुल अंक



उत्तर - 20

दुनियाँ में दो अमोघ शक्तियाँ शब्द और कृति मानी गई हैं। शब्द शक्ति ने तो सारी धरती को हिला कर रख दिया है। शब्द शक्ति से तात्पर्य है भाषा ज्ञान। शब्द शक्ति से हम किसी का कुछ भी छीन सकते हैं। कृति शक्ति में केवल देवत्व का निवास होता है। इससे व्यक्ति प्रेम करते हुए शांति का अनुभव करता है। शब्द में महात्मा गांधी ने दोनों शक्तियों की असाधारण उपासना की है।

कस्तूरबा की निष्ठा दोनों शक्तियों से अधिक सृष्टि की निर्मित शक्ति महात्मा गांधी में थी। जिन्होंने कृति को सर्वश्रेष्ठ माना है।

उत्तर - 21

(21)

कैरल के गाँवों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं। यहाँ लोग भोजन के बाद जीरे का उबला कुनकुना पीकर पानी पीते हैं। यहाँ शिक्षा का स्तर अँचा होने के कारण लोगों के रहन-सहन का स्तर अँचा है। यहाँ गाँवों की रक-रक गली साफ स्वच्छ है। प्रत्येक गाँव में डाक घर, छोटा दवाखाना, स्कूल है। यहाँ हर गाँव में बिजली है। हर गाँव

$$\square + \square = \square$$

या. पुष्ठ पुष्ठ 13 के अंक कुल अंक



उत्तर - 23

सिरचन एक ग्रामीण कलाकार हैं। उसके जैसे मोथी धास की रंगीन शीतलपाटी कोई नहीं बना सकता है। वह लॉस की तीलियों से चिक, सतरंगे डोरों के मोढ़े, भूसी रखने के लिए, बाल के पत्तों की छतरी, टोपी बनाने का कुशल कारीगर था। लोगो की सिरचन के प्रति दो प्रकार की धारणा था। पहले लोग उसे पूजते थे। उसकी खुशामद करते थे। अपना काम करवाने के लिए मननत करते थे। समय के साथ लोगो की धारणा सिरचिन के प्रति बदल गई। वह उसे कामचोर और चटोर कहने लगे। वह उसकी खुशामद नहीं करते हैं। वह उसको तिरस्कार करते हैं। अब लोग उसकी कारीगारी के लिए वैसा देना जरूरी नहीं समझते हैं। भ्रष्ट खाना खिला दो और एकाध फटा-पुराना कपड़ा देना ही मजदूरी समझते हैं। सिरचिन दिन-प्रतिदिन कामचोर कामचोर होता जा रहा है। इस प्रकार सिरचन के प्रति लोगो की दो प्रकार की धारणा थी जो की सही थी।

$$\boxed{\text{रं}} + \boxed{\text{र}} = \boxed{\text{रंर}}$$

पृष्ठ 14 के अंक

कुल अंक



प्रश्न - 24.

अथवा

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मकरंद के भाग - 2 के पाठ 'माँ' से ली गई है। इसके रचयिता बालकवि वैरागी जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने 'माँ' के विराट व्यक्तित्व को बताया है। माँ कौन-कौन सी शक्तियों को धारण किए हुए हैं।

व्याख्या - प्रस्तुत पद्यांश में कवि माँ की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहता है कि माँ का व्यक्तित्व विराट है। माँ ने पृथ्वी के गुण धैर्य को धारण किया हुआ है। माँ कहती है कि - मुझमें धरा का धैर्य है। आकाश की ज्वाला अथवा ज्वलति है। आग की लपट है। वायु की गति व्यापक है। नीर की गंभीरता है। कवि कहना चाहता है कि माँ ने पृथ्वी के पंचतत्वों को धारण किया हुआ है। माँ के वात्सल्य रूप का वर्णन है। माँ पूजनीय, वंदनीय है। माँ जन्म देने वाली है। माँ की वात्सला एक प्रकार से विश्व की शुभ कामना है।

(15)

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

द्वय पूर्व पृष्ठ पृष्ठ अंक कुल अंक



- विशेष :- ① माँ धरती के पंचतत्वों को चारण किए हुए हैं।
- ② माँ के वास्तव्य का अनुपम वर्णन है।
- ③ माँ के विराट व्यक्तित्व का वर्णन है।

प्रश्न - 25.

(i) शीर्षक - शिक्षा का उद्देश्य

(ii) बेकारी का पर्याय - बेरोजगारी

(iii) सारांश

आज सभी शिक्षा तो प्राप्त करते हैं। परंतु वह मनुष्य में कर्तव्य तथा चरित्रनिर्माण नहीं कर सकती है। हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली में शिक्षा का उद्देश्य नहीं समझाया गया है। अक्षर-ज्ञान से शिक्षा नहीं है। डिग्री प्राप्त करने के बाद भी लोग बेरोजगारी की मार सह रहे हैं।

(iv) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मुक्त मनुष्य बनाना है। उसमें आत्मनिर्भरता की भावना तथा चरित्रनिर्माण करना होता है। शिक्षा से मनुष्य को काम मिलता है। वह उसकी जीवन को संवारती है।

17

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 17 के अंक कुल अंक



प्रश्न - 27

36, नगर भवन

भोपाल, (म.प्र.)

दिनांक - 07/03/2017

पूज्य पिताजी,

सादर चरण स्पर्श,

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है कि व आप भी कुशल होंगे। पिछले सप्ताह आपका पत्र मिला। पत्र में आपने मेरी बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु प्रश्न किया।

पिताजी आपको यह जानकर बहुत खुशी होगी कि मैं अपने बोर्ड परीक्षा की तैयारी बहुत अच्छे तरीके से कर रहा हूँ। आशा है आपको बेहतर परिणाम दे सका हूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरा नाम प्रावीण्य सूची में हो। इसके लिए मैं दिन-रात रूक कर रहा हूँ।

इस प्रकार मैं अधिक परिश्रम के साथ बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा हूँ। आप मेरी पढ़ाई की चिंता छोड़ दें।

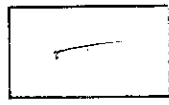
अंत में माताजी के चरण स्पर्श, अनुष्का को ध्यार।

आपका प्रिय पुत्र
करवग



योग पूरा पृष्ठ

+



पृष्ठ 18 के अंक

=



पुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न - 28.

पर्यावरण प्रदूषण और हमारा दायित्व

निबंध की रूपरेखा

- प्रस्तावना
- प्रदूषण से तात्पर्य
- प्रदूषण के प्रकार
- प्रदूषण से हानियाँ
- प्रदूषण से बचने के उपाय
- हमारा दायित्व
- उपसंहार

प्रस्तावना :- आज हमारे देश की यह बहुत बड़ी समस्या है। प्रदूषण से हमें अनेक हानियाँ हो रही हैं। प्रदूषण का हमारे पर्यावरण को दूषित कर रहा है। यह बहुत बड़ी समस्या है। हमें इसको दूर करने के अनेक उपाय उपयोग में लाने पड़ेंगे। हमारा दायित्व हमें निभाना पड़ेगा तभी हम भारत को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने मिलेगी।

प्रदूषण से तात्पर्य :- प्रदूषण अर्थात् गंदा करना। हम अपने पर्यावरण को अनेक प्रकार से प्रदूषित कर रहे हैं। इससे अनेक रक्त समस्याएँ



योग पृष्ठ

+



=



पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक



MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

सामने आ रही हैं। हम अपने पर्यावरण को अनेक तरीकों से गंदा कर रहे हैं। जिससे अनेक हानियाँ जैसे की सेहत खराब आदि सामने आ रही हैं।

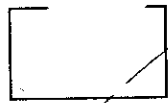
प्रदूषण के प्रकार :- प्रदूषण मुख्य रूप से चार प्रकार के होते हैं। वह हैं -

- ① ध्वनि प्रदूषण
- ② जल प्रदूषण
- ③ वायु प्रदूषण
- ④ थल प्रदूषण

ध्वनि प्रदूषण लाउडस्पीकरों से होता है। अनेक प्रकार के यातायात जैसे कार, ट्रक, मोटर-साइकल, आदि के होर्न से यह प्रदूषण होता है। रात को लाउडस्पीकरों का प्रयोग, डी.जे का प्रयोग यह प्रदूषण करता है। जल का प्रदूषण कारखानों से निकलने वाली गंदगी से होता है। पूरी गंदगी हम नदी तालाबों में डाल देते हैं। जिससे यह प्रदूषण होता है। वायु प्रदूषण मुख्य रूप से यातायात तथा कारखानों से निकलने वाले धुएँ से होता है। थल प्रदूषण कचरे को यहाँ वहाँ फेंकने से होता है।

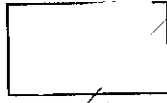
प्रदूषण से हानियाँ - प्रदूषण से अनेक प्रकार की हानियाँ हो रही हैं। अनेक रोग मनुष्य को पकड़ रहे हैं। मनुष्य की

(20)



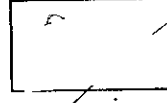
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 20 के अंक

=



कुल अंक



सेहत खराब होती जा रही है। मनुष्य की उम्र दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। यह सबसे बड़ी धमकियाँ हैं। ध्वनि प्रदूषण से दृश्य रोग बढ़ रहे हैं। जल प्रदूषण से चेहरे पर धब्बे हो रहे हैं।

प्रदूषण से बचने के उपाय :- हमें प्रदूषण से बचने के

अनेक उपाय सोचने चाहिए। वरना एक दिन हम नष्ट हो जाएंगे। हम जल प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जानवरों को नहीं तालाबों में नहीं नहानवाना चाहिए। लाउडस्पीकरों का उपयोग कम करना चाहिए। रात को डी.जे. नहीं बजाना चाहिए।

हमारा कर्तव्य :- हमारा कर्तव्य यह है कि देश के जागरूक नागरिक होने के कारण प्रदूषण कम से कम करें। जो करते हैं उन्हें रोके। इसी में हमारी भलाई है।

उपसंहार :- अंत में यह बस यह कि जीवन को बचाने के लिए हमें प्रदूषण कम से कम करना चाहिए। देश को बचाने के लिए प्रदूषित वातावरण को स्वच्छ बनाना पड़ेगा। तभी भारत महान बन पाएगा।

21

$$\left[\begin{array}{|c|} \hline \text{ } \\ \hline \end{array} \right] + \left[\begin{array}{|c|} \hline \text{ } \\ \hline \end{array} \right] = \left[\begin{array}{|c|} \hline \text{ } \\ \hline \end{array} \right]$$

वृष्ट वृष्ट के अंक कुल अंक



खण्ड - (ब)

बेरोजगारी की समस्या

प्रस्तावना

बेरोजगारी से तात्पर्य

बेरोजगारी के कारण

बेरोजगारी से घानियाँ

बेरोजगारी से बचने के उपाय

हमारा कायित्व

उपसंहार

